https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

7. मिथोट्रेक्सेट

7.1 विवरण

यह एकऐसी दवा है जिसे गठिया रोग संबंधी बिमारियों में कई वर्षों से उपयोग किया जा रहा है। इसे पहले कैंसर के इलाज में उपयोग किया जाता था क्योंकि यह कोशिकाओं के विभाजन को धीमा करती है।

फिर भी यह प्रभाव अधिक डोज में ही महत्वपूर्ण होता है। कम मात्रा में रुक रुक कर दी जाने वाली डोज अपना अन्य प्रतिकियों के ददारा सूजन को कम करती है। कम डोज से दवा के बुरे प्रभाव कम होते है तथा उनकी देखरेख आसान होती है।

7.2 डोज / देने का तरीका

मिथोट्रेक्सेट दो मुख्य रूपों में मिलती है: खाने वाली दवा तथा इंजेक्शन। ईसे हफ्ते में एक निर्धारित दिन पर एक बार दिया जाता है। डोज १०-१५ मिग्रा / मी2 / सप्ताह (अधिकतम २० मिग्रा प्रति सप्ताह) है। फॉलिक एसिड या फोलिनिक एसिड इस दवा को देने के २४ घंटे बाद देने से कुछ बुरे प्रभाव कम होते है।

डोज तथा देने का तरीका, चिकित्सक व्दारा हर मरीज की स्थिति के आधार पर किया जाता है। खाने की दवा, यदि भोजन के पहले और पानी के साथ ली जाए तो उसका असर अधिक होता है। इंजेक्शन चमड़ी के ठीक निचे (जैसे डायबिटीज में इन्सुलिन इंजेक्शन) दिया जाता है लेकिन ऐसे मांशपेशी या कभी कभी नसों में भी दिया जा सकता है।

इंजेक्शन अधिक प्रभावी है तथा इससे पेट की खराबी की समस्या कम होती है। मिथोट्रेक्सेट थेरेपी आम तौर पर लम्बे समय की होती है और कई वर्षों तक चलती है। कई चिकित्सक बीमारी के नियंत्रण के ६-१२ महीने बाद तक इलाज जारी रखते है।

7.3 दुष्प्रभाव

ज्यादतर बच्चों में इसके दुष्प्रभाव कम होते है। उनमें मितली तथा उल्टी हो सकती है। जिसे खुराक सोते समय लेकर कम किया जा सकता है। विटामिन फॉलिक एसिड भी लाभदायक होता

है।
कभी कभी दुष्प्रभाव कम करने वाली दवाओं को मिथोट्रेक्सेट के पहले या बाद में लेने से और / अथवा इंजेक्शन के रूप में दवा को लेना लाभदायक होता है। दूसरे बुरे प्रभाव जैसे मूँह के छाले तथा कभी कभी शरीर पर दाने भी हो सकते है। खून की कणिकाओं की संख्या में कमी होना तथा लीवर की खराबी बच्चों में काफी दुर्लभ है क्योंकि दूसरे लीवर को खराब करने वाले कारण जैसे शराब आदि बच्चों में नहीं होते है।
यदि लीवर एंजाइम बढ़ जाते है तो मिथोट्रेक्सेट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है तथा ठीक होने पर फिर से शुरू किया जाता है। इसलिए इस दवा से इलाज के दौरान नियमित खून की जाँच जरूरी है। बच्चों में मिथोट्रेक्सेट के इलाज से इन्फेक्शन का खतरा समान्यता: नहीं बढ़ता है।
यदि आपका बच्चा किशोर है तो दूसरी बातें भी महत्वपूर्ण है। शराब का सेवन पूरी तरह से रोक देना चाहिए क्योंकि यह लीवर को ख़राब कर सकता है। यह दवा भ्रूण को भी नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए इलाज के समय गर्भधारण नहीं होना चाहिए।

7.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोग

जुवेनाइल इडिओपेथिक आर्थराइटिस
जुवेनाइल डर्मेटोमायोसाइटिस
जुवेनाइल सिस्टेमिक लुपस एरिथमतोसिस
लोकलाइज्ड स्क्लेरोडर्मा

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov